

■ धर्म और विज्ञान का बन्दर मुकदमा

■ सुप्रसिद्ध स्कोप्स ट्रायल अमेरिका के एक छोटे-से कस्बे डेटन, टेनेसी प्रान्त में घटित हुआ। मामला सिर्फ इतना था कि हाई-स्कूल शिक्षक जॉन स्कोप्स ने अपनी कक्षा में चार्ल्स डार्विन के जैव-विकास के सिद्धान्त को पढ़ाया जो कि टेनेसी प्रान्त के कानून के खिलाफ था। मार्च 1925 में टेनेसी विधायिका ने किसी भी ऐसे सिद्धान्त को गैरकानूनी घोषित करने की घोषणा की थी जो कि मनुष्य की दिव्य रचना को बाइबिल के अनुरूप नहीं मानता। सबका ध्यान मुकदमे की कार्यवाही और घटनाओं की नाटकीयता पर केन्द्रित था। विलियम ब्रायन ने बचाव पक्ष का नेतृत्व किया। न्यायाधीश ने सिद्धान्त की वैधता पर कानून की संवैधानिकता को ज़्यादा तबज्जो देते हुए फैसला सुनाया जिसमें स्कोप्स को दोषी ठहराया गया और उसपर 100 रुपए का जुर्माना लगाया गया। अपील पर राज्य सुप्रीम कोर्ट ने 1925 के कानून की संवैधानिकता को बरकरार रखा लेकिन स्कोप्स को तकनीकी रूप से दोषमुक्त कर दिया। आखिरकार 40 साल बाद एक और मुकदमे की वजह से 1968 में यह कानून निरस्त हुआ।

■ ज्ञान की ज़मीन और ज़मीनी ज्ञान - भाग 1

■ हमें ज्ञान कहाँ से और कैसे प्राप्त होता है? जितना भी हमें पता है और जिसे हम सच मानते हैं, वह किस हद तक सच्चाईयुक्त है? वैसे तो जितना भी कुछ प्रत्यक्ष दिखता है और जो दिख रहा है, वह सच ही होगा, ऐसा मान लेना स्वाभाविक माना जाता है। पर क्या कुछ दिखने में छूट गया और उस बारे में हमारा निर्णय क्या और कैसे बदलेगा, इसकी कल्पना सहज नहीं होती, पर गहराई-से सोचने पर शंकाएँ ज़रूर पैदा करती हैं। आइए, ज्ञान या सत्य-ज्ञान के बारे में कुछ बुनियादी बातों को पढ़ें और विचार करें इस लेख के साथ। इस चर्चा को विस्तारपूर्वक पढ़ें कि असल में मानव विज्ञान और मानविकी का महत्व क्या है और सामान्य ज्ञान की बुनियाद क्या है। ऐसे कई और मुद्दों को समझते हैं लेख के पहले भाग में।

शैक्षणिक संदर्भ

अंक-68 (मूल अंक-125), नवम्बर-दिसम्बर 2019

इस अंक में

- 04 | आपने लिखा/लेख पर टिप्पणी
आमोद कारखानिस व कालू राम शर्मा
- 13 | 'हम' और 'वो सब' - भाग 4
चारुदत्त नवरे
- 27 | धर्म और विज्ञान का बन्दर मुकदमा
सुशील जोशी
- 34 | ज्ञान की ज़मीन और ज़मीनी ज्ञान - भाग 1
हरजिन्दर सिंह
- 46 | किताब उपलब्ध करा देने से...
कालू राम शर्मा
- 55 | अनुभवों के खोये से बनती हैं...
पारुल बत्रा
- 65 | भारतीय भाषाएँ व संविधान: भाग-4
रमाकान्त अग्निहोत्री
- 71 | डियर लाइफ - भाग 1
एलिस मुनरो
- 84 | हमें गुदगुदी क्यों होती है?
सवालीराम

